षोडश

बिहार विधान-सभा

पंचम सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 10 चैत्र, 1939 (श0)
31 मार्च, 2017 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 04

(1) स्वास्थ्य विभाग	.. ..	03
(2) ऊर्जा विभाग	.. ..	01
	कुल योग --	04

बिक्री पर रोक लगाना

30. श्री संजय सरावगी--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 16 मार्च, 2017 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''चालीस फार्मा कम्पनियों की दवाएँ मानकों पर नहीं उतरी खरी'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स द्वारा बिहार सहित पूरे देश के 5,717 रिटेल आउटलेटरों से 47,000 विभिन्न दवाओं के सैंपलों की जाँच 2016 में करने के उपरांत नेशनल ड्रग सर्वे रिपोर्ट फरवरी, 2017 में जारी किया गया है जिसमें हालेवुड लेबोरेट्री, गुजरात, रिडली लाइफा साइंस, दिल्ली, इन्डीकैमी हेल्थ केयर सिक्किम, नितिन लाइफ साइंस, हरियाणा, बायोकैम फार्मास्यूटिकल दमन, स्काईमैप फार्मास्यूटिकल, उत्तराखंड, जी0एस0 फार्मास्यूटिकल, उत्तराखंड, सिपल लिमिटेड, दमन, एकमे हाईट केयर, गुजरात सहित 40 फार्मा कम्पनियों की दवाएँ मानक पर खरी नहीं उतरी है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार बिहार में खंड (1) एक में वर्णित दवा कम्पनी की दवाओं की बिक्री पर रोक लगाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

दोषी पर कार्रवाई

31. श्री जिवेश कुमार--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 18 मार्च, 2017 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''पाँच मशीनें डायलिसिस पर'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पी0एम0सी0एच0, पटना में उपलब्ध 11 डायलिसिस मशीन में से पाँच मशीन खराब है तथा दो मशीनों को रिजर्व में रखा गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि मशीन खराब होने के कारण पी0एम0सी0एच0 में आनेवाले किडनी के मरीजों की प्रतीक्षा सूची काफी लंबी है जिससे मरीजों का ससमय डायलिसिस नहीं हो पाता है जिसके कारण किडनी मरीजों की मौत की संख्या में काफी इजाफा हुआ है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पी0एम0सी0एच0 में खराब पड़े डायलिसिस मशीन को ठीक कराने तथा इस लापरवाही के लिये दोषी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

दोषी पर कार्रवाई

32. श्री जिवेश कुमार--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 17 मार्च, 2017 को प्रकाशित शीर्षक ''112 की जगह मिल रही महज 12 दवाएँ'' के आलोक में क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पी0एम0सी0एच0 के ओ0पी0डी0 में 112 दवाओं की जगह पर केवल 12 दवाएँ मिल रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अस्पताल में दवाओं की आपूर्ति की जिम्मेदारी बिहार स्वास्थ्य सेवा एवं आधारभूत संरचना निगम को सौंपी गई है जिसने पिछले छः माह से अधिकांश दवाओं की आपूर्ति नहीं की है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पी0एम0सी0एच0 समेत राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में सुनिश्चित की गई दवाओं को उपलब्ध कराने के साथ-साथ ससमय दवा उपलब्ध नहीं करने वाले दोषी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

33. श्री शत्रुधन तिवारी--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में प्राइवेट कंपनी द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को विगत तीन वर्षों से बढ़ाकर बिजली बिल दिया जा रहा है, जिससे आम उपभोक्ता काफी परेशान हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि गया, पटना, भागलपुर, दरभंगा, कटिहार, पूर्णियाँ, मुजफ्फरपुर, छपरा सहित कई जिलों में कार्य कर रही निजी कम्पनियों द्वारा उपभोक्ताओं को विद्युत् विपत्र बढ़ाकर दिया जा रहा है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी विस्तृत जाँच कराकर निजी कम्पनियों पर कार्रवाई करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 31 मार्च, 2017 (ई0) ।

राम श्रेष्ठ राय,
सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि0स0मु0 (एल0ए0), 158-डी0टी0पी0-500